

प्रेषक,

एस० राजू,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

शिक्षा अनुभाग-1(बेसिक)

देहरादून: दिनांक: 05 मई 2014

विषय: निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों के भुगतानार्थ राज्यांश मद में धनराशि उपलब्ध करवाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-प्रका०वि०/16/सात-1(05)/2014-15 दिनांक 11-04-2014 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। संदर्भित पत्र में शिक्षा सत्र 2014-15 के लिए मुद्रित कक्षा 1 से 8 की निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों के भुगतानार्थ राज्यांश मद में कराये जाने हेतु प्रेषित मांग के सापेक्ष चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 में निःशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण योजनान्तर्गत उपलब्ध धनराशि रु० 5,00,00,000 (रु० पाँच करोड़ मात्र) के सापेक्ष अनुदान-11 (सामान्य) में लेखाशीर्षक 2202-सामान्य में रु० 47,00,000-00 (रुपये सैंतालिस लाख मात्र) की धनराशि आपके निवर्तन पर रखते हुए निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

- (1) वित्त विभाग के शासनादेश सं० 318/XXVII(1)/2013 दिनांक 18-03-2014 में वर्णित शर्तों का अनुपालन वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक की निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि के व्यय में सुनिश्चित किया जायेगा।
- (2) व्यय करने से पूर्व यथास्थिति अधिप्राप्ति नियमावली के सुसंगत प्राविधानों सहित सुसंगत वित्तीय नियमों तथा प्रचलित प्रक्रियाओं का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (3) योजनाओं के विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों/आदेशों के अनुरूप ही किया जायेगा तथा जहां आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति/सहमति प्राप्त की जायेगी। स्वीकृति धनराशि के सापेक्ष, आहरण/व्यय यथा आवश्यकता मासिक व्यय की सारिणी बनाकर किया जाय।
- (4) यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त स्वीकृत धनराशि को किसी ऐसे मद पर व्यय न किया जाय जिसके लिए वित्तीय हस्त पुस्तिका तथा बजट मैनुअल के नियमों के अन्तर्गत अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो।
- (5) अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय न किया जाय और इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष की देनदारी अगले वित्तीय वर्ष के लिए कदापि न छोड़ी जाय।
- (6) आवंटनों के अनुसार आहरित व्यय के विवरण निर्धारित तिथि तक शासन को अवश्य उपलब्ध करा दिये जाय। इसी प्रकार व्यय के संबंध में व्ययाधिक्य एवं बचतों के विवरण शासन की निर्धारित अवधि के अन्दर उपलब्ध करा दिये जायें।
- (7) मितव्ययता के संबंध में जारी किये गये शासनादेशों अथवा भविष्य में जारी होने वाले शासनादेशों का विशेष रूप से अनुपालन किया जायेगा।
- (8) व्यय संबंधी जो भी बिल कोषाधिकारी को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जायें उसमें लेखाशीर्षक के साथ-साथ अनुदान संख्या का भी उल्लेख किया जाय।

02- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 के आय-व्यय के अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखाशीर्षक 2202-सामान्य शिक्षा-01-प्रारम्भिक शिक्षा-102-अराजकीय प्राथमिक विद्यालयों को सहायता-20-विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री/निःशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के अधीन शीर्षक/सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा।

03- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश सं० 318/XXVII(1)/2013 दिनांक 18-03-2014 में वर्णित शर्तों का अनुपालन में निहित व्यवस्थाओं के तहत प्रशासकीय विभाग द्वारा जारी किया जा रहा है।

भवदीय,

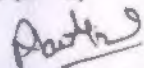
(एस० राजू)
प्रमुख सचिव।

सं० /XXIV(1)/2014-34/2010 टी०सी० तददिनोंक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

01. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, ओवराय बिल्डिंग, देहरादून।
02. महालेखाकार(आडिट), महालेखाकार कार्यालय, वैभव पैलेस, सी-1/105 इन्द्रानगर, देहरादून।
03. मुख्य कोषाधिकारी/कोषाधिकारी देहरादून।
04. निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा उत्तराखण्ड देहरादून।
05. राज्य परियोजना निदेशक, उत्तराखण्ड सभी के लिये शिक्षा परिषद, ननूरखेड़ा देहरादून।
06. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
07. समस्त जिला शिक्षा अधिकारी, उत्तराखण्ड (निदेशक के माध्यम से)
08. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, देहरादून।
09. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
10. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
11. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,


(प्रदीप मोहन नौटियाल)
अनु सचिव।

5